भारत सरकार

उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय

खाद्य और सार्वजनिक वितरण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 630

03 दिसंबर, 2025 के लिए प्रश्न

डिपो दर्पण पहल

630. श्री दिलेश्वर कामैत:

क्या **उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) डिपो दर्पण पोर्टल के उद्देश्य और कार्य क्या हैं;

(ख) भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) और केंद्रीय भंडारण निगम (सीडब्ल्यूसी) डिपो में इसके कार्यान्वयन से अनुमानित वित्तीय बचत और राजस्व में वृद्धि होने की संभावना का ब्यौरा क्या है;

(ग) डिपो दर्पण पहल में इन्टरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) सेन्सर्स और क्लोज्ड सर्किट टेलीविज़न (सीसीटीवी) निगरानी जैसी उन्नत प्रौद्योगिकियों की भूमिका क्या है; और

(घ) संबंधित प्रौद्योगिकियां, खाद्यान्न डिपो में वास्तविक समय की निगरानी और बेहतर परिचालन दक्षता में किस प्रकार योगदान देती हैं?

उत्तर

उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण राज्य मंत्री

(श्रीमती निमुबेन जयंतीभाई बांभणिया)

(क) से (ख): डिपो दर्पण खाद्यान्न भंडारण डिपुओं की अवसंरचना और प्रचालन दक्षता को बढ़ाने के लिए एक डिजिटल स्व-मूल्यांकन और निगरानी प्लेटफ़ॉर्म है।

भांडागारों का मूल्यांकन दो मुख्य श्रेणियों के आधार पर किया जाता है:

क. **प्रचालनात्मक दक्षता (भारांक 60%):** स्थान घेराव, लागत मीट्रिक जैसे पारगमन/भंडारण हानि, हैंडलिंग लागत, विलंब शुल्क और जन शक्ति पर व्यय।

ख. **अवसंरचनात्मक दक्षता (भारांक 40%):** सुरक्षा, प्रचालनात्मक, पर्यावरणीय और कानूनी पहलू शामिल।

- प्रत्येक श्रेणी का स्वतंत्र रूप से मूल्यांकन किया जाता है, और दोनों के समग्र अंथन के आधार पर भांडागार को 5-स्टार रेटिंग प्राप्त होती है।
- इसका उद्देश्य भांडागार प्रबंधन, कार्यप्रणाली, सुरक्षा मानकों, अवसंरचना, भंडारण स्थितियों और वित्तीय प्रदर्शन की स्थिति पर स्व-मूल्यांकन हेतु एक तंत्र को संस्थागत बनाना है, जिससे मौजूदा कमियों को दूर करने में मदद मिलेगी।

...2/-

- मोबाइल एप्लिकेशन भांडागारों की रेटिंग की निगरानी के लिए भारतीय खाद्य निगम/केंद्रीय भंडारण निगम/खाद्य और सार्वजनिक वितरण विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों तक पहुँच प्रदान करता है।

प्रक्रिया की अक्षमताओं की पहचान करने और लक्षित हस्तक्षेपों को लागू करने के इस अभ्यास से एफसीआई के स्वयं के भांडागारों में बचत होने की और सीडब्ल्यूसी द्वारा प्रचालित खाद्यान्न भांडागारों में अतिरिक्त आय सृजित होने की संभावना है।

(ग): विभाग ने भारतीय खाद्य निगम के 150 गोदामों और केंद्रीय भंडारण निगम के सभी खाद्यान्न भांडागारों में स्मार्ट भंडागारण तकनीकों पर एक प्रायोगिक परियोजना शुरू की है, जिसमें वास्तविक समय में CO_2 और फॉस्फीन के स्तर, आग के खतरों, आर्द्रता, अनाधिकृत प्रवेश और तापमान जैसे प्रमुख मापदंडों की निगरानी के लिए सीसीटीवी निगरानी और सूचना प्रोद्योगिकी सेंसर शामिल हैं, ताकि खाद्यान्न भंडारण में सुरक्षा और दक्षता सुनिश्चित की जा सके। डिपो दर्पण को गोदामों में पहले से स्थापित स्मार्ट भंडागारण तकनीकों के साथ एकीकृत किया गया है।

(घ): सीसीटीवी और सूचना प्रौद्योगिकियाँ निम्नलिखित सुनिश्चित करके डिपो प्रचालन में बदलाव लाती हैं:-

i. वास्तविक समय दृश्यता
ii. समय पर हस्तक्षेप
iii. डाटा-आधारित निर्णय लेना
iv. सभी डिपो में मानकीकृत प्रचालन

ये प्रगति सीधे तौर पर सुरक्षित, संरक्षित और कुशल खाद्यान्न भंडारण और वितरण सुनिश्चित करने में योगदान करती हैं।

*****